Need to strengthen Aanganwadi Centres in the country-Laid

श्रीमती भारती पारधी **(बालाघाट) :** मैं महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्रों को सुदृढ़ बनाने के महत्वपूर्ण विषय पर अपना सम्मानपूर्वक दृढ़ आग्रह प्रस्तुत करना चाहती हूँ । प्ले स्कूलों के बढ़ते प्रभाव के कारण 3 से 6 वर्ष के बच्चों की आंगनवाड़ी उपस्थिति लगातार कम हो रही है । अतः मेरा अनुरोध है कि विद्यालय प्रवेश की न्यूनतम आयु 6 वर्ष अनिवार्य की जाए और आंगनवाड़ी पूर्ण करने वाले बच्चों को ? आंगनवाड़ी पासआउट प्रमाणपत्र? प्रदान किया जाए, ताकि उन्हें सरकारी एवं केंद्रीय विद्यालयों में सीधे प्रवेश का अधिकार मिले । आंगनवाड़ी की गुणवत्ता सुधार हेतु कार्यकर्ताओं को पेशेवर शिक्षिका के रूप में प्रशिक्षित किया जाए, आयु-वार संरचित पाठ्यक्रम तैयार हो और प्रत्येक बच्चे की प्रगति रिपोर्ट अनिवार्य रूप से बनाई जाए । केंद्रों में पर्याप्त स्टोरेज, मोबाइल, रजिस्टर, ग्रोथ चार्ट और आवश्यक शैक्षिक खिलौने उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है । सभी केंद्रों के लिए विभागीय भवन अनिवार्य हो और पोषण ट्रैकर जैसे डिजिटल साधनों से पेपर-लेस प्रक्रिया बढ़ाई जाए । कार्यकर्ताओं को स्थायी कर्मचारी का दर्जा, स्पष्ट पदोन्नति नीति और अलग मानदेय प्रदान किया जाए । कुपोषण रोकथाम हेतु प्रत्येक केंद्र में डिजिटल वेट मशीन स्थापित की जाए, जिससे बच्चों का वजन और पोषण डेटा सुरक्षित दर्ज हो ।